कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BHDE-141

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (सामान्य)

(बी.ए.जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

बी.एच.डी.ई.- 141 : अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : **प्रथम** प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) जिसे पुकारें समान-दर्शी वह जुल्म कैसे करेगा इन पर ?
तो कैसे उसके अनंत लोकों के जर्रे-जर्रे घिरे रहेंगे ?
जरूर ही ये तुम्हारे खुद के रचे हुए हैं तमाम पाखंड।
दयालु प्रभु के विधान क्या कभी भी ऐसे कड़े रहेंगे ?

(ख) आज मेरे पास

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है

बोलने को शब्द हैं

सुनने को कान भी

(ग) दीर्घकाल का दासत्व जैसे जीवन की स्फूर्तिमयी स्वच्छंदता नष्ट करके उसे बोझिल बना देता है, निरंतर आर्थिक परवशता भी जीवन में उसी प्रकार प्रेरणा-शून्यता उत्पन्न कर देती है।

(घ) अगले ही दिन

हर दरवाजे के बाहर

नागफनी के बीहड़ घेरों के बीच

निर्भय-निस्संग चंपा

मुस्कुराती पाई गई।

(ङ) मृग तो नहीं था कहीं

बावले भरमते-से इंगित पर चले गए

तुम भी नहीं थे

बस केवल यह रेखा थी

(च) परंपरा से छूट कर बस यह लगता है

किसी बड़े क्लासिक से

पासकोर्स बी.ए. के प्रश्न पत्र पर छिटकी

छोटी-सी पंक्ति हूँ

चाहती नहीं लेकिन/कोई करने बैठे

मेरी सप्रसंग व्याख्या।

2. महात्मा ज्यातिबा फूले के वैचारिक संघर्ष पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 16

3. स्त्री-विमर्श की अवधारणा पर प्रकाश डालिए। 16

4. आदिवासी साहित्य की भाषा और शिल्प पर प्रकाश डालिए। 16

5. 'धूणी तपे तीर' में आदिवासी जीवन से संबंधित किन समस्याओं पर प्रकाश डाला गया है ? विवेचन कीजिए। 16

6. 'अन्या से अनन्या' के पठित अंश के आधार पर प्रभा खेतान की पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक स्थितियों पर प्रकाश डालिए। 16

7. 'बेजगह' कविता की अंतर्वस्तु एवं मूल-संवेदना का विवेचन कीजिए। 16

8. 'उतनी दूर मत ब्याहना बाबा' कविता की अंतर्वस्तु और मूलसंवेदना की समीक्षा कीजिए। 16

9. आदिवासी प्रतिरोध की समस्या पर प्रकाश डालिए। 16